Helpline No.:-(+91)-7597122440
जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय
मदाऊ, भांकरोटा–मुहाना लिंक रोड़, जयपुर (राज.) - 302026
वेबसाईट : www.jrrsanskrituniversity.ac.in ई–मेल - jrrsu@yahoo.com टेलीफैक्स 0141-2850561-75

क्रमांक : प (274)जरारासंविवि / शैक्ष0 / 2022 / दिनांक :

पंजीकृत

समस्त सम्बद्ध महाविद्यालय,
जरारासंविवि, जयपुर ।

विषय : आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सौजन्य से सम्पूर्ण राजस्थान के प्रत्येक जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाली विवेकानन्द संदेश यात्रा में आपके महाविद्यालयों के छात्रों की सहभागिता हेतु निर्देश प्रदान करने के संबंध में।

सन्दर्भ : प्रमुख सचिव, राजभवन, जयपुर के पत्रांक एफ.1(ए)(9)आरबी / 2022 / 579 दिनांक 11.11.2022

महोदय,

उपर्युक्त विषयान्तर्गत सन्दर्भ एवं विवेकानन्द संदेश यात्रा कार्यक्रम की छायाप्रति संलग्न करते हुए लेख है कि आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सौजन्य से सम्पूर्ण राजस्थान के प्रत्येक जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाली विवेकानन्द संदेश यात्रा में आपके महाविद्यालयों के छात्रों की सहभागिता सुनिश्चित कराने बाबत् अग्रिम कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करावें।

भवदीय,

(दुर्गेश राजोरिया)
RAcS
कुलसचिव एवं
वित्त नियंत्रक

संलग्न : उपर्युक्तानुसार

क्रमांक : प (274)जरारासंविवि / शैक्ष0 / 2022 / 5925-26 दिनांक : 16/11/22

प्रतिलिपि सूचनार्थ एवं आवश्यक एवं कार्यवाही हेतु प्रेषित है–

1. निजी सचिव, माननीय कुलपति महोदय, जरारासंविवि, जयपुर
2. प्रभारी वेबसाईट, जरारासंविवि, जयपुर को प्रेषित कर लेख है कि विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर प्रदर्शित करावें।

16/11/22
कुलसचिव एवं
वित्त नियंत्रक

प्रमुख सचिव
राज्यपाल, राजस्थान

सत्यमेव जयते

राजभवन, जयपुर - 302 006
राजस्थान,
फोन : +91-141-2228792
फैक्स : +91-141-2221156

क्रमांक : एफ.1(ए)(9)आरबी/2022/5796
दिनांक : 11 नवम्बर, 2022

कुलपतिगण,
राज्य वित्तपोषित विश्वविद्यालय,
राजस्थान।

विषय :— आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सौजन्य से सम्पूर्ण राजस्थान के प्रत्येक जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाली विवेकानन्द संदेश यात्रा में विश्वविद्यालयों एवं उनसे संबद्ध महाविद्यलयों के छात्रों की सहभागिता हेतु निर्देश प्रदान करने का निवेदन के संबंध में।

महोदय/महोदया,

प्रान्त प्रमुख, विवेकानन्द संदेश यात्रा राजस्थान, विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी राजस्थान प्रान्त, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार से प्राप्त पत्र दिनांक 03.11.2022 जिसके द्वारा "भारत की आजादी के 75वें वर्ष में मनाए जा रहे अमृत महोत्सव के अवसर पर संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सौजन्य से राजस्थान के संपूर्ण 33 जिला मुख्यालयों एवं चयनित नगरों में "विवेकानन्द संदेश यात्रा" का आयोजन संलग्न विवरणानुसार किया जा रहा है। यह यात्रा आगामी 19 नवंबर 2022 को झुंझनू जिले के खेतड़ी स्थित रामकृष्ण मिशन कार्यालय से प्रारंभ होकर संपूर्ण राजस्थान के जिला मुख्यालयों से होते हुए 7 जनवरी 2023 को जोधपुर में समाप्त होगी। इस यात्रा का संचालन विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी, राजस्थान कर रहा है" के संबंध में अवगत कराया गया है, की छायाप्रति नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही हेतु संलग्न कर प्रेषित है।

भवदीय,

(सुबीर कुमार)

संलग्न : उपरोक्तानुसार

3 नवंबर 2022

विषयः— आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सौजन्य से संपूर्ण राजस्थान के प्रत्येक जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाली विवेकानन्द संदेश यात्रा में विश्वविद्यालयों एवं उनसे संबद्ध महाविद्यालयों के छात्रों की सहभागिता हेतु निर्देश प्रदान करने का निवेदन

महामहिम राज्यपाल महोदय,

सादर नमस्कार।

भारत की आजादी के 75वें वर्ष में मनाए जा रहे अमृत महोत्सव के अवसर पर संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सौजन्य से राजस्थान के संपूर्ण 33 जिला मुख्यालयों एवं चयनित नगरों में ''**विवेकानन्द संदेश यात्रा**'' का आयोजन संलग्न विवरणानुसार किया जा रहा है। यह यात्रा आगामी 19 नवंबर 2022 को झुंझनू जिले के खेतड़ी स्थित रामकृष्ण मिशन कार्यालय से प्रारंभ होकर संपूर्ण राजस्थान के जिला मुख्यालयों से होते हुए 7 जनवरी 2023 को जोधपुर में समाप्त होगी। इस यात्रा का संचालन विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी, राजस्थान कर रहा है।

विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी एक '**अध्यात्म प्रेरित सेवा संगठन**' है जो अखिल भारतीय स्तर पर अपनी 1300 के अधिक शाखाओं एवं सेवा प्रकल्पों के माध्यम से स्वामी विवेकानन्द के स्वप्न को साकार करने के लिए प्रयत्नशील है। स्वामी विवेकानन्द का कथन कि ''**भारत माता पुनः स्वर्णमयी रथ पर आरूढ़ होकर विश्व का नेतृत्व कर रही है**'' इसी को अपना ध्येय वाक्य निर्धारित कर विवेकानन्द केन्द्र ''**मनुष्य निर्माण से राष्ट्र पुनरूत्थान**'' के कार्य में अपने जीवनव्रती एवं गृहस्थ दायित्ववान कार्यकर्ताओं के सहयोग से सक्रिय है।

इस यात्रा का तिथि एवं समय का संपूर्ण विवरण, यात्रा उद्देश्य परिपत्र इस पत्र के साथ संलग्न कर प्रेषित किया जा रहा है।

आपसे सविनय विनम्र अनुरोध है कि राजस्थान के समस्त विश्वविद्यालयों एवं उनसे संबद्ध महाविद्यालयों को उनके यहाँ अध्ययनरत युवाओं को इस यात्रा से लाभान्वित होने की सूचना प्रसारित करने के निर्देश प्रदान करने की कृपा करें ताकि संलग्न विवरणानुसार उनके जिले में विवेकानन्द संदेश यात्रा के आगमन पर वे इससे जुड़ सकें।

यात्रा के संबंध में ताजा जानकारी विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी राजस्थान की वैबसाईट rajasthan.vkendra.org पर भी उपलब्ध है।

सादर,

संलग्नः जिले वार विस्तृत कार्यक्रम एवं पत्रक

सद्भावी,

(भगवान सिंह)
प्रान्त प्रमुख
संपर्क दूरभाष –8209467941

माननीय श्री कलराज जी मिश्र,
महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति,
राजभवन, जयपुर

Speed Post

No.42-22/365/2022-AKAM
Government of India
Ministry of Culture
(AKAM Secretariat)

3rd Floor, Janpath Building,
Janpath, New Delhi-110001

Dated: Nov.02, 2022

To

The Chief Secretary
Government of Rajasthan
Secretariat
Jaipur – 302005.

Sir,

As you are aware, the Government of India is celebrating Azadi Ka Amrit Mahotsav (AKAM) to celebrate and commemorate 75 years of independence and the glorious history of its people, culture, and achievements.

2. As part of Azadi Ka Amrit Mahotsav, the Vivekananda Kendra Kanyakumari (Rajasthan State, Jaipur) is organizing Vivekananda Sandesh Yatra in 33 districts of Rajasthan with financial support from Government of India. In this connection, they have also requested for necessary support from district authorities for arrangements e.g. law & order, etc. during the Yatra. A copy of their letter is enclosed.

3. I am directed to request you to kindly issue suitable instructions to concerned authorities in all 33 Districts of Rajasthan State to provide necessary support for holding Vivekananda Sandesh Yatra by Vivekananda Kendra Kanyakumari (Rajasthan State) as per attached details.

Yours faithfully,

(Abhinav Pratap Singh)
Deputy Secretary to the Government of India

O/c

Encl: as above

Copy for information to:
Dr. Swatantra Sharma, Convener, Vivekananda Sandesh Yatra (Raj.)
8-C-26, Pratap Nagar, Barkat Nagar,Tonk Phatak, Jaipur-302015.

विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी – राजस्थान प्रान्त

(अध्यात्म प्रेरित सेवा संगठन)

विभागवार एवं जिलेवार प्रभारियों की सूची (REVISED ON 26 OCT 2022)

यात्रा प्रभारी – श्री अशोक जी खण्डेलवाल – 9414010469

यात्रा सह–प्रभारी – श्री राज नायर जी – 9414554773

Day	दिनांक	समय	स्थान से	वाया (स्वागत स्थल)	स्थान को	कार्यक्रमों की रचना	विभाग	विभाग प्रभारी	जिला प्रभारी
D-1	19.11.2022 शनिवार	प्रातः10 बजे से 12 बजे उद्घाटन कार्यक्रम	खेतड़ी में	–	–	उद्घाटन कार्यक्रम	जयपुर	श्री ओम प्रकाश गुप्ता 8890047900	श्री के.सी गुप्ता
D-1	19.11.2022 शनिवार	प्रातः12 बजे से 1.00 बजे शोभायात्रा	खेतड़ी में						
D-1	19.11.2022 शनिवार	अपरान्ह 1.30 बजे खेतड़ी से प्रस्थान	खेतड़ी से	नीमकाथाना (स्वागत) कोटपुतली (स्वागत) बहरोड़ (स्वागत)	अलवर (रात्रि निवास)				श्री ओमप्रकाश गुप्ता 8890047900
D-2	20.11.2022 रविवार		–	–	अलवर (रात्रि निवास)	अलवर के कार्यक्रम			श्री ओमप्रकाश गुप्ता 8890047900
D-3	21.11.2022 सोमवार	प्रातः 8.00 बजे से	अलवर से रवाना	भरतपुर आगमन (दोपहर 3.00 बजे)	भरतपुर (रात्रि निवास)	भरतपुर के संध्या कार्यक्रम	भरतपुर	श्री ओमप्रकाश गुप्ता 8890047900	श्री अविनाश पारीक 9460047000
D-4	22.11.2022 मंगलवार				भरतपुर (रात्रि निवास)	भरतपुर के कार्यक्रम			श्री अविनाश पारीक 9460047000

D-5	23.11.2022 बुधवार	प्रातः 8.00 बजे	भरतपुर से रवाना	सैपऊ (स्वागत) धौलपुर आगमन अप. 1.30 बजे	धौलपुर (रात्रि निवास)	धौलपुर में मध्यान्ह भोजन उपरांत कार्यक्रम			श्री अविनाश पारीक 9460047000
D-6	24.11.2022 गुरूवार	प्रातः 7.30 बजे	धौलपुर से रवाना		बाड़ी स्वागत 9.00 बजे से 12.00 बजे तक	शोभायात्रा का कार्यक्रम			श्री अविनाश पारीक 9460047000
D-6	24.11.2022 गुरूवार	अपरान्ह 12.00 बजे	बाड़ी से रवाना	करौली आगमन दोपहर 3.00 बजे	करौली (रात्रि निवास)	करौली के संध्या कार्यक्रम			श्री अविनाश पारीक 9460047000
D-7	25.11.2022 शुक्रवार	प्रातः 7.30 बजे	करौली से रवाना	गंगापुर सिटी प्रात: 9.00 बजे	गंगापुर सिटी के कार्यक्रम 12.00 बजे तक	शोभायात्रा के कार्यक्रम			श्री अविनाश पारीक 9460047000
D-7	25.11.2022 शुक्रवार	अपरान्ह 12.00 बजे	गंगापुर सिटी से दोपहर का भोजन करके रवाना	सवाईमाधोपुर आगमन 4.00 बजे	सवाईमाधोपुर (रात्रि निवास)	सवाईमाधोपुर के संध्या कार्यक्रम			श्री अविनाश पारीक 9460047000
D-8	26.11.2022 शनिवार	प्रातः 8.00 बजे	सवाईमाधोपुर से प्रस्थान	बारां आगमन 3.00 बजे	बारां (रात्रि निवास)	बारां के संध्या कार्यक्रम			श्री कमलेश जी 9511598252
D-9	27.11.2022 रविवार	प्रातः 10.00 बजे	बारां से प्रस्थान	झालावाड़ आगमन 1.00 बजे	झालावाड़ (रात्रि निवास)	झालावाड़ के संध्या कार्यक्रम			श्री पवन जी 9602014523
D-10	28.11.2022 सोमवार	प्रातः 10 बजे	झालावाड से प्रस्थान	कोटा आगमन 3.00 बजे	कोटा (रात्रि निवास)	कोटा के संध्या कार्यक्रम	**कोटा**	**श्री भगवान सिंह 94141 11741**	श्री पवन जी 9602014523
D-11	29.11.2022 मंगलवार	–	–	–	कोटा (रात्रि निवास)	कोटा के संध्या कार्यक्रम			श्री पवन जी 9602014523
D-12	30.11.2022 बुधवार	प्रातः 8.00 बजे	कोटा से प्रस्थान	बूंदी आगमन 11.00 बजे	बूंदी (रात्रि निवास)	बूंदी के विद्यालय एवं संध्या कार्यक्रम			श्री पवन जी 9602014523
D-13	1.12.2022 गुरूवार	सुबह 8.00 बजे	बूंदी से प्रस्थान	मैनाल स्वागत (11.30 बजे)	चित्तौड़गढ़ (रात्रि निवास)	चित्तौड़गढ़ के संध्या कार्यक्रम		**श्री राज नायर**	सुश्री वैशाली दीदी

				चित्तौड़ आगमन दोपहर 3.00 बजे				**9414554773**	9426744029 श्री सुनील जी जोशी 9414884336
D-14	2.12.2022 शुक्रवार	सुबह 8.00 बजे	चित्तौड़गढ़ से प्रस्थान	प्रतापगढ़ आगमन अपरान्ह 1.00 बजे	प्रतापगढ़ (रात्रि निवास)	प्रतापगढ़ के विद्यालय एवं उसके उपरांत संध्या कार्यक्रम		**श्री राज नायर** **9414554773**	श्री जय गिरिराज जी 95718 58155
D-15	3.12.2022 शनिवार	सुबह 8.00 बजे	प्रतापगढ़ से प्रस्थान	घाटोल में स्वागत 11.00 बजे बांसवाड़ा आगमन दोपहर एक बजे	बांसवाड़ा (रात्रि निवास)	बांसवाड़ा के विद्यालय एवं उसके उपरांत संध्या कार्यक्रम			श्री जय गिरिराज जी 95718 58155
D-16	4.12.2022 रविवार	सुबह 10.00 बजे	बांसवाड़ा से प्रस्थान	मानगढ़ स्वागत (1.00 बजे) भीलूड़ी में स्वागत 4.30 बजे सागवाड़ा पहुंचना 6.30 बजे	सागवाड़ा (रात्रि निवास)	सागवाड़ा में संध्या के कार्यक्रम	**उदयपुर**		श्री जय गिरिराज जी 95718 58155
D-17	5.12.2022 सोमवार	सुबह 10.30 बजे	सागवाड़ा के शोभा यात्रा कार्यक्रम 9 से 10 बजे सागवाड़ा से प्रस्थान 10.30 बजे	डूंगरपुर आगमन दोपहर 2.00 बजे बजे	डूंगरपुर (रात्रि निवास)	डूंगरपुर के संध्या कार्यक्रम			श्री जय गिरिराज जी 95718 58155
D-18	6.12.2022 मंगलवार	सुबह 8.00 बजे	डूंगरपुर से प्रस्थान	खैरवाड़ा स्वागत सुबह 10.30 बजे	उदयपुर (रात्रि निवास)	उदयपुर के संध्या कार्यक्रम			डॉ. पुखराज सकलेचा 9799495514

				उदयपुर आगमन 3.00 बजे					
D-19	7.12.2022 बुधवार	–	–		उदयपुर (रात्रि निवास)	उदयपुर के कार्यक्रम			डॉ. पुखराज सकलेचा 9799495514
D-20	8.12.2022 गुरूवार	सुबह 8.00 बजे	उदयपुर से प्रस्थान	राजसमंद आगमन (12.00 बजे)	राजसमंद (रात्रि निवास)	राजसमंद के विद्यालय एवं उसके उपरांत संध्या कार्यक्रम		**श्री राज नायर 9414554773**	सुश्री वैशाली दीदी 9426744029 श्री जितेन्द्र जी 9414677357
D-21	9.12.2022 शुक्रवार	सुबह 8.00 बजे	राजसमंद से प्रस्थान	नाथद्वारा स्वागत + विद्यालय कार्यक्रम + हल्दीघाटी + गोगुंदा स्वागत एवं विद्यालय कार्यक्रम	पिंडवाड़ा रात्रि विश्राम		**जोधपुर**	**प्रांजलि दीदी 75974 61690**	
D-22	10.12.2022 शनिवार	सुबह 8.00 बजे	पिंडवाड़ा से प्रस्थान	सिरोही आगमन दोपहर 12.00 बजे	सिरोही (रात्रि निवास)	सिरोही के विद्यालय एवं उसके उपरांत संध्या कार्यक्रम			डॉ0 अमित व्यास 94149 19510
D-23	11.12.2022 रविवार	सुबह 8.00 बजे	सिरोही से प्रस्थान	सुमेरपुर/शिव गंज में स्वागत के उपरांत पाली आगमन दोपहर 1.00 बजे	पाली (रात्रि निवास)	पाली के संध्या कार्यक्रम			श्री अभिमन्यु गहलोत 9414314387
D-24	12.12.2022 सोमवार	सुबह 8.00 बजे	पाली से प्रस्थान	जालोर आगमन 12.00 बजे	जालोर (रात्रि निवास)	जालोर के विद्यालय एवं उसके उपरांत संध्या कार्यक्रम			श्री दीपक खैरे 8331966501
D-25	13.12.2022 मंगलवार	सुबह 8.00 बजे	जालोर से प्रस्थान	बालोतरा आगमन	बालोतरा (रात्रि निवास)	बालोतरा क विद्यालय एवं		**प्रांजलि दीदी**	श्री प्रेमरतन जी 9352521106

				1.00 बजे		उसके उपरांत संध्या कार्यक्रम	**जोधपुर**	**75974 61690**	
D-26	14.12.2022 बुधवार	सुबह 8.00 बजे	बालोतरा से प्रस्थान	बाड़मेर आगमन 1.00 बजे	बाड़मेर (रात्रि निवास)	बाड़मेर के विद्यालय एवं उसके उपरांत संध्या कार्यक्रम			
D-27	15.12.2022 गुरूवार	सुबह 8.00 बजे	बाड़मेर से प्रस्थान	जैसलमेर आगमन 1.00 बजे	जैसलमेर (रात्रि निवास)	जैसलमेर के विद्यालय एवं संध्या कार्यक्रम			श्री पूनम चंद जी 7062816475
D-28	16.12.2022 शुक्रवार	सुबह 8.00 बजे	जैसलमेर से प्रस्थान	फलौदी आगमन 3.00 बजे	फलौदी (रात्रि निवास)	फलौदी के संध्या कार्यक्रम			श्री प्रेमरतन जी 9352521106
D-29	17.12.2022 शनिवार	सुबह 8.00 बजे	फलौदी से प्रस्थान	बीकानेर आगमन अपरान्ह 3.00	बीकानेर (रात्रि निवास)	बीकानेर के संध्या कार्यक्रम	**बीकानेर तक**	**प्रांजलि दीदी 75974 61690**	डॉ0 दिव्या जोशी 7597117743 श्री प्रदीप शर्मा 94140 82508
D-30	18.12.2022 रविवार	–	–		बीकानेर (रात्रि निवास)	बीकानेर के कार्यक्रम	**हनुमानगढ़ तक**		डॉ0 दिव्या जोशी 7597117743 श्री प्रदीप शर्मा 94140 82508
D-31	19.12.2022 सोमवार	सुबह 8.00 बजे	बीकानेर से प्रस्थान	सूरतगढ़ आगमन 2.30 बजे		सूरतगढ़ स्वागत कार्यकम		**श्री अशोक खण्डेलवाल 9414010469**	श्री प्रदीप शर्मा 94140 82508
D-31	19.12.2022 सोमवार	शाम 3.30 बजे	सूरतगढ़ से प्रस्थान	श्री गंगानगर आगमन 5.30 बजे तक	श्रीगंगानगर (रात्रि निवास)	यदि कार्यक्रम संभव हुआ तो			श्री प्रदीप शर्मा 94140 82508
D-32	20.12.2022 मंगलवार	सुबह 9.30 से 2.00 बजे तक गंगानगर कार्यक्रम 2.00 बजे प्रस्थान	श्रीगंगानगर से प्रस्थान	लालगढ़ (स्वागत कार्यक्रम) अपरान्ह 3.30 बजे से 4.30 5.00 बजे लालगढ़ से प्रस्थान	हनुमानगढ़ (रात्रि निवास)	शोभायात्रा	**सरदारशहर, रतनगढ़ एवं चूरू**	**श्री ओम प्रकाश गुप्ता 8890047900**	श्री प्रदीप शर्मा 94140 82508

D-33	21.12.2022 बुधवार	दोपहर 3 बजे प्रस्थान	हनुमानगढ़ से 3 बजे प्रस्थान करके 4.30 बजे रावतसर/पल्लू पहुंचना	2.00 बजे तक हनुमानगढ़ के कार्यक्रम	रावतसर/पल्लू (रात्रि निवास)				
D-34	22.12.2022 गुरूवार	प्रातः 8.00 बजे से	रावतसर/पल्लू से प्रस्थान तथा सरदारशहर आगमन 1.00 बजे	सरदारशहर स्वागत	सरदारशहर (रात्रि निवास)	सरदारशहर के संध्या कार्यक्रम			श्री के सी गुप्ता 9414069266
D-35	23.12.2022 शुक्रवार	प्रातः 8.00 बजे	सरदारशहर से प्रस्थान	चूरू आगमन 1.00 बजे – वाया रतनगढ़	चूरू (रात्रि निवास)	चूरू के संध्या शोभायात्रा कार्यक्रम			
D-36	24.12.2022 शनिवार	प्रातः 7.00 बजे	चूरू से प्रस्थान	झुंझनू आगमन 10.00 बजे		12.30 तक झुंझनू के शोभा यात्रा आयोजन	**जयपुर**	**श्री ओमप्रकाश गुप्ता 8890047900**	श्री अविनाश पारीक 9460047000
D-36	24.12.2022 शानिवार	दोपहर 12.30 बजे	झुंझनू से प्रस्थान	सीकर आगमन 3.30 बजे	सीकर रात्रि निवास	सीकर के संध्या कार्यक्रम			श्री अविनाश पारीक 9460047000
D-37	25.12.2022 रविवार	प्रातः 9.00 बजे	मैराथन दोड़ के पश्चात् सीकर से प्रस्थान	फुलेरा आगमन 3.00 बजे	फुलेरा (रात्रि निवास)	फुलेरा के संध्या कार्यक्रम			श्री अविनाश पारीक 9460047000
D-38	26.12.2022 सोमवार	प्रातः 8.00 बजे से	फुलेरा से प्रस्थान	दूदू (स्वागत) आगमन 10.00 बजे प्रस्थान 12.00 बजे जयपुर आगमन दोपहर 3.00 बजे	जयपुर (रात्रि निवास)	जयपुर के संध्या कार्यक्रम			श्री अविनाश पारीक 9460047000

D-39	27.12.2022 मंगलवार	–	–		जयपुर (रात्रि निवास)	जयपुर के कार्यक्रम			श्री चेतन प्रकाश जी 9214635946
D-40	28.12.2022 बुधवार	सुबह 8.00 बजे	जयपुर से प्रस्थान	बस्सी में स्वागत कार्यक्रम 1.30 बजे उपरांत दौसा आगमन 1.00 बजे	दौसा (रात्रि निवास)	दौसा के संध्या कार्यक्रम			श्री महेश जी मोदी 9414035192
D-41	29.12.2022 गुरूवार	सुबह 8.00 बजे	दौसा से	निवाई में स्वागतोपरांत टोंक आगमन 2.00 बजे	टोंक (रात्रि निवास)	टोंक के संध्या कार्यक्रम	**अजमेर**	**श्री अशोक डाणी 9414259410**	श्री भारत भार्गव 7597526899
D-42	30.12.2022 शुक्रवार	सुबह 7.00 बजे	टोंक से (रास्ते में भोजन पैकेट की व्यवस्था)	भीलवाड़ा आगमन 3.00 शाम	भीलवाड़ा (रात्रि निवास)	भीलवाड़ा के संध्या कार्यक्रम		**सुश्री वैशाली दीदी 9426744029**	श्रीमती शकुंतला जी 9001712799
D-43	31.12.2022 शनिवार	सुबह मैराथन दौड़ होने के बाद 10.00 बजे रवाना	भीलवाड़ा से 10.00 बजे रवाना	गुलाबपुरा 1.00 बजे आगमन (स्वागत) बिजयनगर – स्वागत	ब्यावर आगमन (रात्रि निवास)				श्री सावर लाल 8058917103
D-44	1.1.2023 रविवार	9.30 से 12.00 बजे तक				ब्यावर के मैराथन एवं शोभायात्रा के आयोजन			श्री यादवराज कुमावत 9414824177
D-44	1.1.2023 रविवार	अपरान्ह् 12.30 बजे	ब्यावर से प्रस्थान	अजमेर आगमन 3.00 बजे	अजमेर (रात्रि निवास)	अजमेर के संध्या कार्यक्रम			श्री अशोक जी डाणी 98290 46401
D-45	2.1.2023 सोमवार	अपरान्ह् 12.00 बजे	अजमेर से प्रस्थान	किशनगढ़ 3.00 बजे	किशनगढ़ (रात्रि निवास)	किशनगढ़ के संध्या कार्यक्रम	**अजमेर**	**श्री अशोक जी डाणी 9829046401**	श्री राजेन्द्र सिंह जी 9413152864
D-46	3.1.2023 मंगलवार	प्रातः 8.00 बजे	किशनगढ़ से प्रस्थान	पुष्कर स्वागत 10.30 बजे	मेड़ता (रात्रि निवास)	मेड़ता के संध्या कार्यक्रम			श्री भारत भार्गव 7597526899

				पुष्कर से प्रस्थान 11.30 बजे मेड़ता 3.00 बजे					
D-47	4.1.2023 बुधवार	प्रातः 8.00 बजे	मेड़ता से नागौर के लिए प्रस्थान	नागौर आगमन 1.00 बजे	नागौर रात्रि निवास	नागौर के संध्या कार्यक्रम			श्री भारत भार्गव 7597526899
D-48	5.1.2023 गुरूवार	अपरान्ह् 8.00 बजे	नागौर से प्रस्थान	जोधपुर आगमन 3.00 बजे	जोधपुर रात्रि निवास	जोधपुर के कार्यक्रम	**जोधपुर**	**प्रांजलि दीदी 75974 61690**	श्री अशोक जी माथुर 9414475462
D-49	6.1.2023 शुक्रवार	जोधपुर							श्री अशोक जी माथुर 9414475462
D-50	7.1.2023 शनिवार	समापन कार्यक्रम							डॉ0 अमित व्यास 9414919510

विशेष नोट –

1. संपर्क की दृष्टि से जिलों में प्रवास करने वाले प्रभारियों के पेट्रोल/डीजल के वास्तविक खर्च का भुगतान विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी, राजस्थान प्रान्त से देय होगा।
2. यदि वाहन से प्रवास लंबा है और गाड़ी पर ड्राइवर की आवश्यकता है तो वे ड्राइवर भी रख सकेंगे जिसका खर्च भी विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी, राजस्थान प्रान्त से देय होगा।
3. इस प्रवास में अतिआवश्यक कोई भी व्यय, उसका भी भुगतान केन्द्र द्वारा वहनीय होगा।
4. प्रभारी किसी भी आवश्यक/संभावित परिवर्तन के लिए श्री अशोक खण्डेलवाल जी से संपर्क करके वार्ता कर सकते हैं।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

के अवसर पर

संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सौजन्य से

विवेकानन्द केंद्र कन्याकुमारी राजस्थान प्रान्त

द्वारा आयोजित

सेवा में समर्पित 50 वर्ष

कर्मयोगैकनिष्ठाः

Vivekananda Kendra

विवेकानन्द संदेश यात्रा राजस्थान

19 नवम्बर 2022-07 जनवरी 2023

50 दिन 07 संभाग 33 जिले 75 स्थान

उठो जागो युवा भारत

''मैं भविष्य को नहीं देखता, न ही जानने की चिन्ता करता हूँ, किन्तु एक दृश्य में अपने मनःचक्षुओं से स्पष्ट देख रहा हूँ कि यह प्राचीन मातृभूमि एक बार पुनः जाग गयी है और अपने सिंहासन पर आसीन है-पहले से कहीं अधिक गौरव एवं वैभव से प्रदीप्त; शांति और मंगलमय स्वर में उसकी पुनः प्रतिष्ठा की घोषणा समस्त विश्व में करो।''

-स्वामी विवेकानन्द

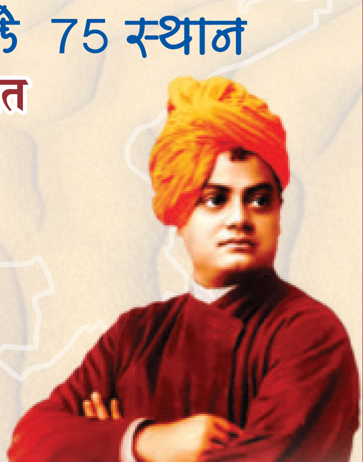

भारत की आजादी का अमृत महोत्सव

1857 से चले लम्बे स्वाधीनता संग्राम के उपरान्त भारत ने 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता प्राप्त की। इस वर्ष हमारी आजादी को 75 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। इस महत्वपूर्ण अवसर पर भारत की संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम के योद्धाओं के बलिदान और मातृभूमि के प्रति समर्पण का स्मरण करते हुए; ज्ञान, विज्ञान इत्यादि समस्त क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता की ओर तीव्रगति से अग्रसर हो रहे भारत की वैश्विक महत्ता और आवश्यकता को समझने तथा उस पर गर्व करते हुए, नए विकसित भारत के निर्माण में जुट जाने का संकल्प लेते हुए हम 'भारत की आजादी का अमृत महोत्सव' मना रहे हैं।

विवेकानन्द केन्द्र स्थापना के 50 वर्ष

स्वामी विवेकानन्द के 'नर सेवा नारायण सेवा' के भाव से 'मनुष्य निर्माण से राष्ट्र निर्माण' के संदेश को विश्वजन तक पहुँचाने के ध्येय को धारण करते हुए **'अध्यात्म प्रेरित सेवा संगठन-विवेकानन्द केन्द्र'** की स्थापना 07 जनवरी, 1972 के दिन सूर्योदय के समय विवेकानन्द शिला स्मारक कन्याकुमारी पर भगवा ध्वज फहराकर की गयी। माननीय श्री एकनाथजी रानडे के अनथक परिश्रम और कुशल नेतृत्व में स्थापित विवेकानन्द केन्द्र, तब से लगातार कन्याकुमारी मुख्यालय और देशभर में स्थापित 1331 शाखाओं व प्रकल्पों के माध्यम से राष्ट्र और समाज की सेवा में समर्पित रूप से कार्य करते हुए, इस वर्ष 07 जनवरी, 2023 को गौरवशाली 50 वर्ष पूर्ण कर रहा है।

भारत की स्वतंत्रता के इस अमृत काल में युवा संन्यासी स्वामी विवेकानन्द के ओजस्वी विचार अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं। अपनी अध्यात्मिक शक्ति, गौरवपूर्ण संस्कृति-संस्कारों से ओतप्रोत अद्‌भुत सामर्थ्य, वैश्विक शांति और सौहार्द के लिए वसुधैव कुटुम्बकम् के भारतीय दर्शन और मानव कल्याण की प्रेरणा देने वाले सनातन धर्म, अमृत परिवार की संकल्पना एवं मूल्यपरक आचरण के कारण ही भारत विश्वगुरू की प्रतिष्ठा को प्राप्त है। इस विश्व आदर्श की प्रतिष्ठा को अक्षुण्ण रखने तथा भारतीय स्वतंत्रता को यथार्थ रूप से समझने के लिए भारत के प्रति स्वामी विवेकानन्द की समग्र दृष्टि और संदेश पर चिन्तन करने और उसका अनुसरण करने की आवश्यकता है।

भारत की आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर स्वामी विवेकानन्द के राष्ट्रचेतना जाग्रत करते हुए मानव मात्र के कल्याण की प्रेरणा देने वाले विचारों-संदेशों को राजस्थान प्रदेश के जन-जन तक ले जाने के उद्‌देश्य को लेकर ही विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी राजस्थान प्रान्त द्वारा भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सौजन्य से **'विवेकानन्द संदेश यात्रा राजस्थान'** का आयोजन किया जा रहा है। यह यात्रा स्वामी विवेकानन्द को विशिष्ट पहचान देने वाली भावभूमि खेतड़ी नगर से, केन्द्र के संस्थापक माननीय श्री एकनाथ रानडे की जयंती साधना दिवस 19 नवम्बर, 2022 को आरंभ होकर सम्पूर्ण राजस्थान में सभी सात संभागों के 33 जिलों में 75 स्थानों पर होते हुए 50 दिन की यात्रा पूर्ण कर, स्थापना दिवस 07 जनवरी, 2023 को जोधपुर में सम्पन्न होगी। स्वामी विवेकानन्द खेतड़ी, अलवर, जयपुर, अजमेर, सिरोही, आबू पर्वत आदि राजस्थान के जिन भी स्थानों पर आए थे, विशेष तौर पर उन सभी स्थानों पर भी यात्रा जाएगी।

विवेकानन्द केन्द्र : सेवा में समर्पित 50 वर्ष

केन्द्र का विस्तार: अध्यात्म प्रेरित सेवा संगठन विवेकानन्द केन्द्र वर्तमान में देश के 30 राज्यों में 224 जिलों में कार्य कर रहा है। यह सेवा कार्य 71 विभाग स्थान, 109 नगर स्थान, 129 कार्य स्थान, 616 प्रकल्प स्थान और 406 ग्राम स्थानों पर, इस प्रकार कुल 1331 स्थानों पर अपने जीवनव्रती, सेवाव्रती, शिक्षार्थी व वानप्रस्थी के रूप में 180 पूर्णकालिक और 6737 दायित्ववान कार्यकर्ताओं के साथ नि:स्वार्थ भाव से सेवारत है।

कार्यपद्धति के चार आयाम : नयी पीढ़ी में जीवनमूल्यों और देशभक्ति भाव स्थापित करने के लिए **संस्कार वर्ग**, वैचारिक स्पष्टता और ज्ञानवर्द्धन के लिए **स्वाध्याय वर्ग**, योग जीवनपद्धति को जन-जन तक ले जाने के लिए **योग वर्ग** तथा केन्द्र के कार्यकर्ताओं के सेवा संकल्प की पुष्टि हेतु **केन्द्र वर्ग** का नियमित आयोजन होता है।

केन्द्र के पाँच वार्षिक उत्सव : भारत राष्ट्र की शक्ति, सामर्थ्य और गौरव के प्रति चेतना जाग्रत करने के लिए 25 दिसम्बर से 12 जनवरी तक **समर्थ भारत पर्व एवं स्वामी विवेकानन्द जयंती उत्सव**, गीता अध्ययन के माध्यम से जीवन में श्रेष्ठता लाने के लिए मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी को **गीता जयंती उत्सव**, राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण भाव को पुष्ट करने के लिए माननीय एकनाथ रानडे की जयंती 19 नवम्बर को **साधना दिवस उत्सव**, स्वामी विवेकानन्द ने सौहार्द और मानव कल्याण के प्रति सनातन धर्म की महत्ता का प्रथम उद्घोष शिकागो धर्मसंसद में 11 सितम्बर 1893 को किया, इसी स्मृति को संजोकर विश्व शांति के लिए विश्वबंधुत्व की भावना पर चिन्तन हेतु 11 सितम्बर को **विश्वबंधुत्व दिवस उत्सव** तथा गुरू के प्रति श्रद्धा की अभिव्यक्ति और अनुसरण के लिए आषाढ़ पूर्णिमा को **गुरू पूर्णिमा उत्सव** मनाए जाते है।

विविध शिविर व अन्य आयोजन

विवेकानन्द केन्द्र प्रति वर्ष 18 से 65 आयुवर्ग के लिए आध्यात्मिक शिविर, 18 से 60 आयुवर्ग के लिए योग शिक्षा शिविर व योग प्रमाणपत्र कोर्स का आयोजन करता है। साथ ही युवावर्ग व कार्यकर्ताओं के लिए आवासीय प्रशिक्षण शिविर, व्यक्तित्व विकास शिविर, विमर्श, व्याख्यान व वैचारिक सम्मेलन, विद्यालय व महाविद्यालयों में स्वाध्याय प्रतियोगिताएं व एक दिवसीय शिविर इत्यादि का नियमित आयोजन भी होता है।

विविध प्रकल्प व परियोजनाएँ

- **शिक्षा सेवा –** मनुष्य निर्माण व राष्ट्र निर्माण की शिक्षा प्रदान करने के ध्येय से अरूणाचल प्रदेश में 37, असम में 24, नागालैंड में 01, अंडमान में 10, कर्नाटक में 01 और तमिलनाडु में 02 आवासीय व गैर आवासीय कुल **75 विवेकानन्द केन्द्र विद्यालय**, प्राथमिक कक्षा के विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए अरूणाचल प्रदेश, असम के चाय बागान, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश व महाराष्ट्र में **200 आनन्दालय**, पूर्वप्राथमिक विद्यार्थियों के लिए तमिलनाडु, अरूणाचल प्रदेश व उड़ीसा में **195 बालवाड़ी**, अरूणाचल प्रदेश के निर्जुली में एक **बीएड कॉलेज**, बालिका शिक्षा प्रोत्साहन हेतु अरूणाचल प्रदेश में दो **कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय** तथा असम के न्यूमालीगढ़ में **विवेकानन्द केन्द्र नर्सिंग स्कूल** संचालित।
- **स्वास्थ्य सेवा –**असम के न्यूमालीगढ़ में विवेकानन्द केन्द्र न्यूमालीगढ़ रिफाइनरी लि. अस्पताल, मध्यप्रदेश के बीना में विवेकानन्द केन्द्र भारत ओमान रिफाइनरी लि. अस्पताल, उड़ीसा के पारादीप में इंडियन आइल कारपोरेशन लि. **विवेकानन्द केन्द्र अस्पताल** के साथ तमिलनाडु में 15 व झारखण्ड और महाराष्ट्र में एक-एक **मेडिकल डिस्पेंसरी**, अरूणाचल प्रदेश में **दो मोबाइल चिकित्सा वैन** तथा असम के तिनसुकिया में **विवेकानन्द स्वास्थ्य सेवा सदन** संचालित।
- **जनजाति व ग्राम्य कल्याण और कौशल विकास –** असम, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, उड़ीसा जैसे राज्यों में विवेकानन्द केन्द्र ग्राम्य कल्याण योजना, विवेकानन्द केन्द्र प्रशिक्षण व सेवा प्रकल्प, विवेकानन्द केन्द्र अरूण ज्योति, महिलाओं के लिए विवेकानन्द केन्द्र व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र, विवेकानन्द प्राकृतिक स्रोत्र विकास परियोजना (VK-NARDEP), ग्रीन रामेश्वरम प्रोजेक्ट इत्यादि के द्वारा सेवाकार्य।
- **सत्साहित्य का प्रकाशन –** युवा भारती (अंग्रेजी), विवेकानन्द केन्द्र पत्रिका (अंग्रेजी), केन्द्र भारती (हिन्दी), विवेक विचार (मराठी), विवेक वाणी (तमिल), विवेक जागृति (असमी-अंग्रेजी), विश्व भानु (मलयालम), विवेक सुधा (गुजराती) जैसी सामाजिक-सांस्कृतिक पत्रिकाओं सहित अनेक जनोपयोगी विषयक पुस्तकों व ग्रंथों का प्रकाशन।
- **मानवीय उत्कृष्टता हेतु प्रशिक्षण –** विवकानन्द केन्द्र प्रतिष्ठान कन्याकुमारी, विवेकानन्द केन्द्र रामकृष्ण महासम्मेलन आश्रम नागदण्डी कश्मीर, विवेकानन्द केन्द्र कौशलम हैदराबाद, विवेकानन्द केन्द्र वैदान्तिक एप्लीकेशन इन योग एंड मैनेजमेंट (VK-VAYAM) सोलापुर महाराष्ट्र के माध्यम से सेवा।
- **सांस्कृतिक अध्ययन एवं शोध –** विवेकानन्द इन्टरनेशनल फाउण्डेशन (VIF) नयी दिल्ली, विवेकानन्द केन्द्र वैदिक विजन फाउण्डेशन (VKIC) गुवाहाटी असम, विवेकानन्द केन्द्र एकेडमी फॉर इण्डियन कल्चर, योग एंड मैनेजमेंट (VKAICYAM) भुवनेश्वर उड़ीसा के द्वारा कार्य।
- **कन्याकुमारी स्थित स्मारक, प्रदर्शनी व अन्य –** विवेकानन्द शिला स्मारक, स्वामी विवेकानन्द मण्डपम, एकनाथ रानडे समाधि, गौशाला, मोर अभ्यारण्य तथा रामायण दर्शनम-भारत सदनम, अराइज-अवेक, गंगोत्री, ग्रामोदय पार्क, वेंडरिंग मोंक जैसी दर्शनीय व प्रेरणादायी प्रदर्शनियाँ।

राजस्थान ने स्वामी विवेकानन्द को नयी पहचान दी

स्वामी विवेकानन्द का राजस्थान से विशेष संबंध रहा, इसमें खेतड़ी नरेश अजीतसिंह से उनकी आत्मीयता सर्वविदित है। स्वामीजी यहाँ आए तो **विविदिषानन्द** बनकर थे, पर यह खेतड़ी ही था जिसने उन्हें विश्वविख्यात **विवेकानन्द** का नाम दिया। यहीं से स्वामीजी के अमरीका स्थित शिकागो की विश्व धर्म संसद में जाने की अधिकांश व्यवस्था भी हुई। यह भी राजस्थान की सभ्यता और संस्कृति का ही प्रभाव था कि विवेकानन्द ने अपनी पारम्परिक बंगाली व परिव्राजक सन्यासी की वेशभूषा के स्थान पर **राजस्थानी साफा (टरबन) और चोगा–कमरखी का आकर्षक वेश धारण किया**, जो स्वामी विवेकानन्द की स्थायी पहचान बना। वे राजस्थानी परम्परानुसार भूमि पर बैठकर पट्टे पर ही भोजन किया करते थे। यह भी राजस्थान का ही सौभाग्य रहा कि रामकृष्ण मिशन जैसी जनकल्याणकारी संस्था की शुरूआत का प्रथम प्रयास भी यहीं से हुआ। विवेकानन्द स्वयं कहते थे कि **'यदि खेतड़ी के राजा न मिले होते तो शायद मैं वह सब नहीं कर पाता जो कर पाया हूँ।'** इसीलिए उन्होंने अपने सहयोगी अखण्डानन्द आदि से भी राजस्थान से जुड़े रहने का आग्रह किया था।

विवेकानन्द अपने परिव्राजक काल के दौरान प्रथमत: फरवरी 1891 में, दूसरी बार अप्रेल 1893 में और तीसरी बार नवम्बर 1897 में राजस्थान आए । प्रथम यात्रा के समय गेरूआ वस्त्र धारण किये, हाथों में दण्ड–कमण्डल और कांधे पर कम्बल डाले 28 वर्षीय युवा सन्यासी फरवरी 1891 में अलवर आए । यहाँ महाराज मंगलसिंह को मूर्तिपूजा का महत्व बताया। अलवर से स्वामीजी जयपुर होते हुए अप्रेल 1891 में किशनगढ़ से अजमेर आए, दरगाह व तीर्थराज पुष्कर आदि भ्रमण करते हुए पुष्कर से पैदल ही प्रस्थान कर 14 अप्रेल 1891 में आबू पर्वत पहुँचे। वहाँ एक छोटी सी निर्जन गुफा में ध्यान–धारणा करने लगे। यहीं **स्वामीजी की भेंट खेतड़ी के महाराजा अजीतसिंह से हुई** और फिर तो वे दोनों अभिन्न मित्र ही बन गए। 8 अगस्त, 1891 को खेतड़ी महल के उद्यान में नर्तकी के मुख से मीरां का मीठा भजन सुनकर भावविभोर स्वामीजी द्वारा माँ कहकर प्रणाम करने की अद्भुत भावधारा का गवाह भी राजस्थान बना। खेतड़ी प्रवास के समय ही सीकर स्थित जीणमाता के दर्शन करके 28 अक्टूबर को अजमेर के लिए प्रस्थान किया। अजमेर में स्वामी विवेकानन्द हरविलास शारदा जी से मिले। श्यामजी कृष्ण वर्मा के साथ भी रहे। बाद में वे गुजरात चले गए।

राजस्थान में विवेकानन्द की दूसरी यात्रा भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही। दिसम्बर 1892 तक वे भ्रमण के दौरान शिकागो में होने वाली विश्व धर्म संसद में जाने के विषय में भी सोचते रहे। 25, 26 व 27 दिसम्बर 1892 को स्वामीजी ने कन्याकुमारी समुद्र स्थित श्रीपाद् शिला पर तीन दिन लगातार ध्यान कर भारत के उत्थान पर चिन्तन किया। फरवरी 1893 में खेतड़ी नरेश को पुत्र–प्राप्ति हुई तब स्वामीजी मद्रास में थे। जन्मोत्सव के लिए मुंशी जगमोहन लाल 21 अप्रेल को उन्हें लेकर खेतड़ी आ गए। यहीं अजीतसिंह ने स्वामी विवेकानन्द को पानी के जहाज से अमरीका में शिकागो धर्मसंसद में भेजने की सम्पूर्ण व्यवस्थाएं की। नया राजस्थानी साफा और चोगा–कमरखी मंगवाया और आग्रहपूर्वक स्वामीजी को दिया। 10 मई को मुंशी जगमोहन लाल के साथ ही विवेकानन्द शिकागो यात्रा के लिए रवाना हुए। राजस्थान का यही साफा और चोगा पहनकर स्वामी विवेकानन्द ने विश्वभर में सनातन धर्म का परचम फहराया और फिर यही उनकी स्थायी पहचान बन गया।

अमरीका से लौटने के उपरान्त अपनी तृतीय यात्रा में स्वामी विवेकानन्द नवम्बर 1897 के अंत में सर्वप्रथम अलवर आए, पाँच–छ: दिन रहकर वे जयपुर होते हुए खेतड़ी पहुँचे। यहाँ स्वामीजी का भव्य स्वागत–सत्कार हुआ और 11 दिसम्बर 1897 को एक बड़ी सभा का आयोजन भी हुआ। 21 दिसम्बर, 1897 को उन्होंने खेतड़ी से जयपुर के लिए प्रस्थान किया। बीच में झुंझुनु के बबाई और सीकर के थोई में भी विश्राम किया। अजीतसिंह जयपुर तक उन्हें विदा करने आए थे। यहाँ दस दिन खेतड़ी हाउस में ठहरने के बाद स्वामीजी एक जनवरी, 1898 को किशनगढ़ आए। यहाँ से वे जोधपुर चले गए। 1899 में राजस्थान में 19वीं सदी का भीषणतम अकाल 'छप्पनीया अकाल' पड़ा। उसी समय किशनगढ़ में स्वामीजी द्वारा स्थापित रामकृष्ण मिशन ने उनके गुरूभाई स्वामी अखण्डानन्द की देखरेख में अकाल सहायता के रूप में सेवा कार्य प्रारम्भ किया। मिशन का राजस्थान में कार्य यहीं से शुरू हुआ था।

विवेकानन्द शिला स्मारक कन्याकुमारी

राजस्थान में विवेकानन्द केन्द्र

1972 में विवेकानन्द केन्द्र की स्थापना के लगभग साथ ही राजस्थान प्रांत में भी केन्द्र कार्य का प्रारंभ हुआ। अजमेर, जोधपुर, जयपुर, भीलवाड़ा में केन्द्र की गतिविधियाँ अनवरत रूप से चल रही हैं। विवेकानन्द केन्द्र का हिन्दी प्रकाशन का कार्य जोधपुर से चलता है। पिछले कुछ समय से केन्द्र बांसवाड़ा जिले के जनजाति क्षेत्र में भी आनंदालयों के माध्यम से कार्यरत है। वर्तमान में राजस्थान प्रांत में 8 विभागों में 7 नगर स्थान, 7 कार्यस्थान, 21 ग्रामस्थान के साथ ही 10 आनंदालय, 1 सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र तथा जोधपुर में हिन्दी प्रकाशन विभाग के माध्यम से कार्य हो रहा है।

विगत 50 वर्षों में राजस्थान प्रांत में विवेकानन्द केन्द्र ने अनेक महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम हाथ में लिए, उनमें कुछ विशेष उपलब्धियाँ:-

1. स्वामी विवेकानन्द के परिव्रजन के शताब्दी वर्ष में 1992 में सम्पूर्ण देश में **विवेकानन्द भारत परिक्रमा** का आयोजन हुआ। इस यात्रा को राजस्थान में अभूतपूर्व प्रतिसाद मिला, परिक्रमा के पश्चात अनेक स्थानों पर केन्द्र कार्य प्रारंभ हुआ ।

2. **सामूहिक सूर्यनमस्कार** – विद्यालयीन छात्रों को सघन प्रशिक्षण देते हुए बड़ी संख्या में सामूहिक सूर्यनमस्कार कार्यक्रमों का आयोजन केन्द्र ने देशभर में अनेक स्थानों पर किया, इसका प्रारंभ हुआ राजस्थान प्रांत से। अजमेर, जोधपुर, भीलवाड़ा में हजारों छात्रों ने एकत्रित आते हुए ऐसे सूर्यनमस्कार कार्यक्रमों में सहभागिता की। प्रांत में भीलवाडा में सर्वाधिक **11000 छात्रों ने एक साथ सूर्यनमस्कार महायज्ञ में भाग लिया** है।

3. **विजय ही विजय शिविर** – महाविद्यालयीन छात्रों तथा युवाओं को जोड़ने की दृष्टि से वर्ष 2007 में विजय ही विजय कार्यक्रम हाथ में लिया गया। प्रांत के समस्त जिलों में युवाओं तक पहुँचते हुए, प्रतियोगिता के माध्यम से उन्हें जोड़ते हुए, **950 से अधिक युवाओं का 5 दिवसीय आवासीय युवा प्रेरणा शिविर** अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही संप्रदाय शाहपुरा (भीलवाड़ा) के प्रांगण सम्पन्न हुआ।

4. **मध्य भारत के जनजाति क्षेत्र में आनंदालय** – बालकों के लिए विद्यालयीन शिक्षा तथा नैतिक शिक्षा केन्द्र-प्रारंभ किए हैं। इस प्रकल्प के माध्यम से बालकों को मूलभूत शिक्षा के साथ उनमें आत्मविश्वास का जागरण होता है। विविध जनजाति क्षेत्र के साथ ही भीलवाड़ा, उदयपुर शहर में भी ऐसे आनंदालय चल रहे हैं ।

5. **जोधपुर के गीता भवन में स्थित 'विवेकानंद केंद्र हिंदी प्रकाशन विभाग'** विगत बीस से अधिक वर्षों से विविध हिंदी भाषी पुस्तकों के प्रकाशन के माध्यम से भारतीय सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों तथा जीवन को उत्कृष्टता की ओर ले जाने वाले बहु उपयोगी आदर्श व विचारों को जन-जन तक ले जाने का कार्य कर रहा है। अब तक **85 से अधिक पुस्तकों का प्रकाशन** हुआ है। साथ ही विगत 44 वर्षों से पारिवारिक **मासिक पत्रिका केंद्र भारती** का नियमित प्रकाशन भी हो रहा है।

कार्य समिति राजस्थान प्रान्त

जीवनव्रती संगठक
सुश्री प्रांजलि येरीकर

संचालक
डॉ. शीला राय

प्रान्त प्रमुख
श्री भगवान सिंह चौहान

सह प्रान्त प्रमुख
श्री अविनाश शर्मा

संपर्क प्रमुख
श्री अशोक खंडेलवाल

साहित्य प्रमुख
श्री उमेश कुमार चौरसिया

कार्यपद्धति प्रमुख
डॉ. स्वतंत्र शर्मा

व्यवस्था प्रमुख
श्री कैलाशनाथ शर्मा

निधि संकलन प्रमुख
श्री बलराज आचार्य

निधि संकलन समिति सदस्य
कुसुम जी गौतम

विवेकानन्द संदेश यात्रा राज्य आयोजन समिति

संरक्षक मंडल

परम पूज्य स्वामी गोविंद देव गिरी जी महाराज
संस्थापक, ब्रह्मा सावित्री वेद विद्यापीठ न्यास, पुष्कर, राजस्थान

अनन्त श्रीविभूषित जगद्गुरु निम्बार्काचार्य पीठाधीश्वर श्रीश्यामशरणदेवाचार्य श्री श्रीजी महाराज
श्री निम्बार्क पीठ किशनगढ़, राजस्थान

परम श्रद्धेय स्वामी दत्तशरणानंद जी महाराज
प्रधान संरक्षक एवं संस्थापक, श्री गोधाम महातीर्थ आनंदवन, पथमेड़ा

अध्यक्ष – श्री रतन कुमार अग्रवाल (वरिष्ठ अधिवक्ता, राज. उच्च न्यायालय जयपुर)

उपाध्यक्ष – डॉ. कृष्ण कुमार गुप्ता (वरिष्ठ चिकित्सक, अलवर)

सदस्य – डॉ. राधेश्याम गर्ग (पूर्व अध्यक्ष, राज. लोकसेवा आयोग व वरिष्ठ चिकित्सक, धौलपुर), श्री अशोक मेतवाला (अध्यक्ष मेवाड़ क्षत्रिय महासभा, उदयपुर), श्री सुरेश राठी (वित्तीय सलाहकार व समाजसेवी, जोधपुर), श्री निर्मल गहलोत (शिक्षाविद व संस्थापक उत्कर्ष संस्थान, जोधपुर), श्री सुभाष मित्तल (उद्योगपति, बीकानेर), डॉ. श्रीनिवास मोदानी (उद्योगपति, भीलवाड़ा), श्री दुर्गादत्त शर्मा (समाजसेवी, पाली), श्रीमती शकुंतला डाड (समाजसेवी, भीलवाड़ा), श्री राधे एस. चोयल (युवा उद्योगपति व मोटिवेशनल ट्रेनर, अजमेर) तथा श्रीमती पुष्पा जांगिड़ (युवा समाजसेवी, जोधपुर)

युवा पीढ़ी से स्वामी विवेकानन्द का आह्वान–

''तुम्हारे भविष्य को निश्चित करने का यही समय है। इसलिए मैं कहता हूँ कि अभी इस भरी जवानी में, इस नये जोश के जमाने में ही काम करो। काम करने का यही समय है, इसलिए अभी अपने भाग्य का निर्णय कर लो और काम में लग जाओ ....आओ हम एक महान ध्येय को अपनाएं और उसके लिए अपना जीवन समर्पित कर दें।

उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत;

उठो जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक रुको मत

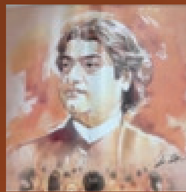

स्वामीजी सदैव कहते थे–

''मेरा विश्वास युवा पीढ़ी–नयी पीढ़ी में है, मेरे कार्यकर्ता इन्हीं में से आएँगे और वे सिंहों की भांति समस्याओं का हल निकालेंगे।''

क्या आप भी ऐसे ही युवा हैं?....

क्या आप भी मनुष्य, समाज और राष्ट्र की सेवा करना चाहते हैं?...

यदि हाँ तो आइये, अध्यात्म प्रेरित सेवा संगठन – विवेकानन्द केन्द्र आपकी प्रतीक्षा में है। केन्द्र के विविध सेवा कार्यों में सहभागी बनने के लिए इस पत्रक के साथ संलग्न **'संकल्प पत्र'** को भरकर अभी केन्द्र कार्यकर्ता को दे दीजिए अथवा rjit@vkendra.org पर मेल कर दीजिए।

''जब सैंकड़ों हजार नर–नारी पवित्रता की अग्नि से पूर्ण, ईश्वर में अविचल विश्वास से युक्त और हृदय में सिंह का साहस लिए, गरीब और पददलितों के प्रति सहानुभूति रखते हुए, भारत के कोने–कोने में मुक्ति, सहयोग, सामाजिक उत्थान और समानता का संदेश देतु हुए विचरण करेंगे , तब भारत विश्वगुरू बनेगा।''–स्वामी विवेकानन्द

क्या आप भी उन लोगों में से एक हैं, जिनके द्वारा स्वामीजी मातृभूमि–जगद्गुरू भारत के लोगों को जाग्रत करने का मिशन पूरा करना चाहते थे?

यदि हाँ, तो आप विवेकानन्द केन्द्र की शिक्षा, संस्कृति और समाजोत्थान के लिए सजग प्रकल्पों और पूरे भारत में फैली केन्द्र शाखाओं से जुड़कर **'मनुष्य–निर्माण से राष्ट्र–निर्माण'** के विविध सेवा प्रकल्पों के माध्यम से मानवता की सेवा कर सकते हैं। **आप 5000 रू. या अधिक राशि देकर चिरस्थायी परिपोषक, 500 रू. या अधिक देकर एकमुश्त परिपोषक अथवा वार्षिक दानदाता बनकर भी सेवा कार्यों में सहभागी बन सकते हैं।**

विवेकानन्द केन्द्र के सेवा कार्यों से जुड़ने/अर्थ सहयोग करने हेतु अभी केन्द्र कार्यकर्ता से संपर्क करें अथवा अपना पूर्ण विवरण भेजें –

विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी, राजस्थान प्रान्त

'विवेकानन्दमयम्' 8–सी–26, प्रताप नगर, बरकत नगर, टोंक फाटक, जयपुर–302015

ईमेल : rjit@vkendra.org वेबसाइट : rajasthan.vkendra.org संपर्क: 8852994177, 6350657252

मुख्यालय :

विवेकानन्दपुरम्, कन्याकुमारी–629702

फोन : 04652–247012 ईमेल : info@vkendra.org वेबसाइट : vkendra.org